मेथनॉल: एक स्वच्छ एवं सस्ता ईंधन

संदर्भ

केंद्रीय सड़क परविहन और राजमार्ग मंत्रालय भारत में वाहनों में वैकल्पकि ईंधन के रूप में मेथनॉल के मश्रिण को बढ़ाने पर वचािर कर रहा है। मंत्रालय ने नीतआियोग से चीन में वकिसति ऑटोमोबाइल मानकों का अध्ययन करने को कहा है। चीन अपने ईंधन में 15-20 प्रतशित मेथनॉल का मश्रिण करता है।

मेथनॉल क्या है ?

- मेथनॉल एक हल्का, वाष्पशील, रंगहीन, ज्वलनशील द्रव है।
- यह सबसे सरल अल्कोहल है। यह जैवईंधन के उत्पादन में भी उपयोगी है।
- यह कार्बनकि यौगकि है। इसे काष्ठ अल्कोहल भी कहते हैं।
- यह प्राकृतकि गैस, कोयला एवं वभिन्नि प्रकार के पदार्थों से बनता है।

स्वच्छ क्यों ?

- क्योंकि इसके दहन से कार्बन का उत्सर्जन कम होता है।

यह सस्ता कैसे है ?

- क्योंकि यह स्थानीय स्तर पर उपलब्ध है।
- मेथनॉल का नरि्माण कृषि उत्पादों, कोयला एवं नगरपालकिा के कचरे से भी कयिा जा सकता है।
- यह जल परविहन के लयि एक भरोसेमंद ईंधन है क्योंकि यह स्वच्छ, जीवाश्म ईंधन की तुलना में सस्ता तथा भारी ईंधन का एक अच्छा वकिल्प है।

मेथनॉल अर्थव्यवस्था

- मेथनॉल अर्थव्यवस्था आयात प्रतसि्थापन के साथ-साथ भारत को उसके कोयले के वशिाल भंडार का उपयोग करने में मदद करेगी।
- भारत वर्तमान में सऊदी अरब और ईरान से मेथनॉल आयात करता है, नीतआियोग कोयले से मेथनॉल में रूपांतरण के लयि एक रोडमैप पर काम कर रहा है।
- मेथनॉल दुनयिा के कई हस्सिों में इस्तेमाल होने वाला एक अच्छा ईंधन है। अधकिांश देशों में यह प्राकृतकि गैस से बनता है, जबकि भारत में यह स्थानीय रूप से उपलब्ध कोयले से प्राप्त हो सकता है।
- कार्बन डाइऑक्साइड को मेथनॉल में परविर्तति करने का अनुसंधान आशाजनक है और यह मेथनॉल अर्थव्यवस्था के लयि खेल-परविर्तक (गेम चेंजर) हो सकता है।
- कोयले से एथनॉल बनाया जा सकता है। इस बारे में ओडशिा के तालचर में एक पायलट परयिोजना पहले से ही चलाई जा रही है।
- एक अनुमान के मुताबकि भारत कच्चे तेल के आयात पर प्रत्येक वर्ष 6 लाख करोड़ रुपए खर्च करता है।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/methanol-a-clean-and-cheaper-fuel